DAINIK JAGRAN - NAYE RAHE - 04th Sep 2007

ग्लोबलाइजेशन के दौर में प्रतिस्पर्धा तेजी से बढ़ी है, जिससे कंपनियों के सामने टैलॅन्टेड कर्मचारियों को नियुक्त करने की समस्या उत्पन्न हो गई है, क्योंकि जॉब के अनुरूप टैलॅन्टेड लोगों को खोजना मुश्किल काम होता है। इसके लिए कंपनियां कंसल्टेंट्स व एजेंसीज का सहारा लेती हैं। इंटरनेट के माध्यम से लोगों का बायो-डाटा देख कर उनसे संपर्क किया जाता है। हालांकि नेट के माध्यम से कर्मचारियों का चयन करना भी कोई आसान काम नहीं होता, क्योंकि हर साइट पर लाखों की संख्या में रेज्यूमे डाउनलोड होते हैं। जॉब के अनुरूप क्लिक करते ही संबंधित व्यक्ति का रेज्यूमे आपके सामने होता है। देखा जाए, तो अब तक रेज्यूमे भेजने के बाद भी लोग आश्वस्त नहीं हो पाते थे। कई बार ऐसा भी होता है कि रेज्यूमे भेजने के बाद भी कॉल नहीं आती है या रिजेक्ट कर दिया जाता है। ऐसे में कैंडिडेट्स के पास कोई विकल्प नहीं होता- सिवाय प्रतीक्षा करने के। लेकिन 'रिक्रूट प्लस' नामक

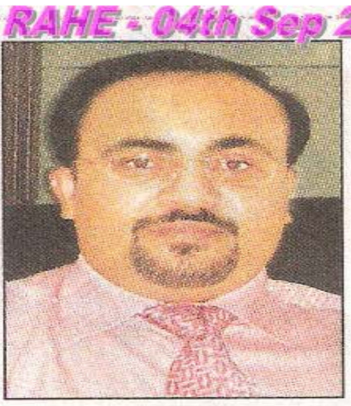

गौरव मित्तल
सीईओ, आईटीकोन्स ई-सॉल्यूशन्स प्रा.लि.

CEO TALK

खुलती जा रही हैं जॉब-सर्च की नई राहें

अब वह जमाना लद गया, जब एम्प्लॉइमेंट ऑफिस में बेरोजगारों की लंबी कतारें लगती थीं। कुछ दिन पहले तक बेरोजगारी भत्ता पाने के लिए भी मारा-मारी होती रहती थी, लेकिन आज के हाईटेक युग में इन चीजों की कोई अहमियत नहीं रह गई है। अब तो ऐसी तकनीक और सॉफ्टवेयर बाजार में मौजूद हैं, जो आपका ब्यौरा रखने के साथ ही जॉब पाने के नए-नए तरीके भी सामने ला रहे हैं। सही मायने में देखें, तो अब जॉब-सर्च की नई राहें खुलती जा रही हैं।

परफेक्ट कैंडिडेट को तलाशना केवल कंपनियों के लिए ही नहीं, बल्कि कंसल्टेंट के लिए भी एक कठिन काम होता है। यहीं पर जरूरत होती है - रिक्रूटमेंट प्रॉसेस आउटसोर्सिंग के विशेषज्ञों की, जो इससे निपटने का तरीका जानते हैं। इसी प्रॉजेक्ट पर काम करने वाली कंपनी आईटी कॉन्स ई-सॉल्यूशन ने 'रिक्रूट प्लस' नामक सॉफ्टवेयर तैयार किया है, जिससे जॉब सर्च करना आसान हो गया है। इस सॉफ्टवेयर की खासियत यह है कि इसमें जॉब की श्रेणी और काम के हिसाब से लोगों का डाटा फीड किया जाता है। इससे कंपनी और कंसल्टेंट के सामने हजारों रेज्यूमे में से उपयुक्त कैंडिडेट्स को चुनने की लंबी जद्दोजहद से निजात मिल जाती है।

इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से किसी खास फील्ड से जुड़े लोगों की पूरी जानकारी आसानी से मिल जाती है। सॉफ्टवेयर के जरिए मिलने वाली सूची में लोगों के मोबाइल नंबर के साथ जन्मतिथि भी फीड होता है। मोबाइल नंबर को सॉफ्टवेयर के कारण यह जानना आसान हो गया है कि कॉल क्यों रिजेक्ट कर दिया जाता है। इससे संबंधित पूरा विवरण कम्प्यूटर स्क्रीन पर आ जाएगा। इसके अतिरिक्त यह रिक्रूटर को कई अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध कराता है, जिनमें कैंडिडेट्स की हिस्ट्री, मास मेलिंग ऑन लोकल डाटाबेस, रिक्रूटर को रेज्यूमे के साथ ड्यूप्लिसिटि की पहचान, क्लाइंट फीडबैक, इंटरव्यू के लिए ऑटोमेटिक मेल अलर्ट सिस्टम, एसएमएस अलर्ट, ऑर्गेनाइजेशन व्यू आदि। 'रिक्रूट प्लस' एप्लीकेशन से रिक्रूटर की प्रॉडक्टिविटि तो बढ़ती ही है, साथ में मैनेजर कंपनी में काम करने वाले सभी एम्प्लॉइज की भी पूरी जानकारी रख सकते हैं। इसमें अभी भी मार्केट में उपलब्ध प्रॉडक्ट की तुलना में अधिक फीचर और फंक्शन मौजूद हैं, जो रिक्रूटर्स के साथ-साथ कंसल्टेंट के लिए भी काफी फायदेमंद साबित हो सकता है।

एन.आर.डेस्क